चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 04 मई 2026, अंक –270.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

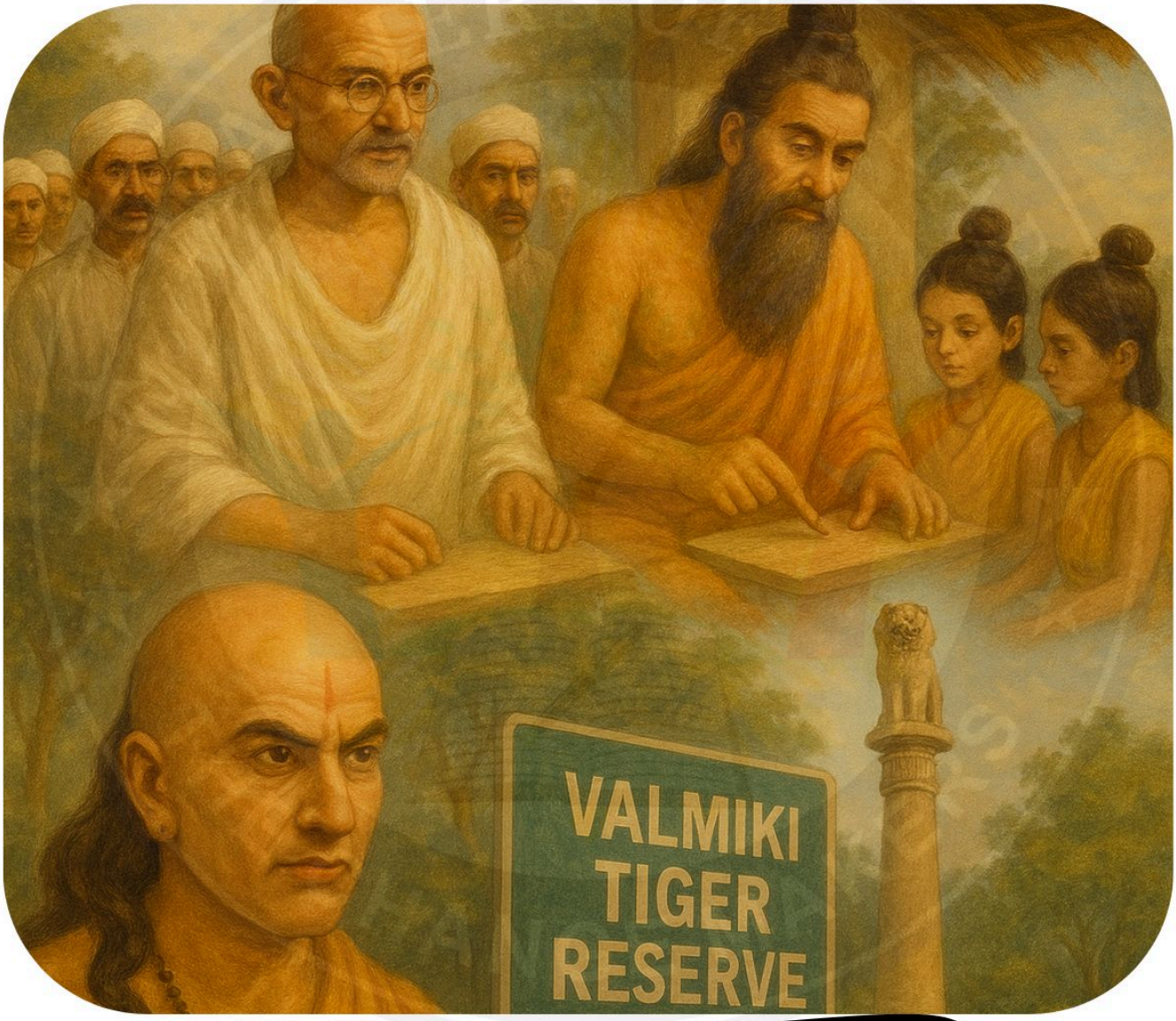

"सफलता का कोई मंत्र नहीं है, यह तो केवल परिश्रम का फल है।" — सरदार पटेल

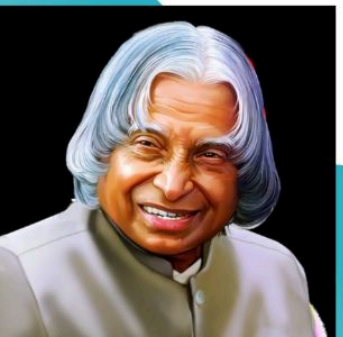

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जर्मनी की संसद को क्या कहा जाता है?
उत्तर: बुंडेस्टाग
प्रश्न 2. भारत के पहले डाक मंत्री कौन थे?
उत्तर: रफी अहमद किदवई
प्रश्न 3. लोसार पर्व मुख्यतः किस धर्म से जुड़ा है?
उत्तर: बौद्ध
प्रश्न 4. 1 से 20 तक कितनी अभाज्य संख्याएँ हैं?
उत्तर: 8
प्रश्न 5. कोसी नदी को किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर: बिहार का शोक
प्रश्न 6. साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 7. प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: गुटेनबर्ग
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों को किस संशोधन से जोड़ा गया?
उत्तर: 42वाँ
प्रश्न 9. 'राम ने फल खाया।' वाक्य में 'ने' क्या है?
उत्तर: कारक चिन्ह
प्रश्न 10. ध्वनि किस माध्यम में सबसे तेज चलती है?
उत्तर: ठोस

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Marketplace – (मार्केटप्लेस) – बाजार स्थल
Customer – (कस्टमर) – ग्राहक
Seller – (सेलर) – विक्रेता
Price – (प्राइस) – मूल्य
Product – (प्रोडक्ट) – उत्पाद
Bill – (बिल) – बिल / रसीद
Change – (चेंज) – छुट्टा पैसा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या वह ... रहा/रही है?" (Is he/she ...ing?)

क्या वह पढ़ रहा है? – Is he reading?
क्या वह लिख रहा है? – Is he writing?
क्या वह खेल रहा है? – Is he playing?
क्या वह खा रहा है? – Is he eating?
क्या वह सीख रहा है? – Is he learning?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 04 मई को 'अंतरराष्ट्रीय अग्निशमन दिवस' (International Firefighters' Day) मनाया जाता है। यह दिवस किस संत के सम्मान में मनाया जाता है जिन्हें अग्निशामकों का संरक्षक माना जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: सेंट फ्लोरियन (St. Florian)
व्याख्या: 4 मई को अग्निशामकों के बलिदान को याद करने और उनके साहस को सम्मान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। यह हमें सिखाता है कि किस प्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर ये जांबाज दूसरों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करते हैं। छात्रों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना भी इस दिवस का एक मुख्य उद्देश्य है।
संदर्भ: यूनेस्को (UNESCO) कैलेंडर; अंतरराष्ट्रीय अग्निशमन संघ।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का पहला अत्याधुनिक जैविक खेती प्रशिक्षण संस्थान' (Organic Farming Training Institute) स्थापित करने की घोषणा की है? (समसामयिकी)
उत्तर: नालंदा (सोहसराय)
व्याख्या: मई 2026 में नालंदा जिले में इस संस्थान को मंजूरी दी गई है। यहाँ किसानों को रासायनिक मुक्त खेती, वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने और जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण की आधुनिक ट्रेनिंग दी जाएगी। यह बिहार के 'जैविक कॉरिडोर' योजना को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
संदर्भ: कृषि विभाग, बिहार सरकार (मई 2026)।

3. "तिलक मंजरी" नामक सुप्रसिद्ध संस्कृत गद्य कृति के रचयिता कौन हैं, जो राजा भोज के दरबारी कवि थे? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: धनपाल
व्याख्या: 11वीं शताब्दी में रचित 'तिलक मंजरी' संस्कृत गद्य साहित्य की एक महत्वपूर्ण रचना है। इसमें प्रेम, साहस और समकालीन समाज के रीति-रिवाजों का अद्भुत वर्णन मिलता है। यह बाणभट्ट की 'कादम्बरी' की शैली से प्रेरित एक उत्कृष्ट ग्रंथ है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 7 इतिहास, अध्याय 1, पृष्ठ 12।

4. पारिस्थितिकी तंत्र में 'अपघटक' (Decomposers) का मुख्य कार्य क्या होता है? (पर्यावरण)
उत्तर: जटिल कार्बनिक पदार्थों को सरल अकार्बनिक पदार्थों में तोड़ना
व्याख्या: जीवाणु और कवक जैसे अपघटक मृत पौधों और जंतुओं के अवशेषों को तोड़कर उन्हें मिट्टी में मिला देते हैं। यह प्रक्रिया प्रकृति में पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण के लिए अनिवार्य है। इनके बिना पृथ्वी मृत अवशेषों के ढेर में बदल जाएगी।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 257।

5. हड़प्पा सभ्यता के किस पुरास्थल से 'कांसे की नर्तकी' (Bronze Dancing Girl) की मूर्ति प्राप्त हुई है, जो उस समय की उन्नत धातुकर्म कला का प्रमाण है? (इतिहास)
उत्तर: मोहनजोदड़ो
व्याख्या: 'लॉस्ट वैक्स' (Lost-wax) तकनीक से बनी यह मूर्ति लगभग 4500 साल पुरानी है। इसकी बनावट, आभूषण और शारीरिक मुद्रा उस समय के कलाकारों के उच्च कौशल और सौंदर्यबोध को दर्शाती है। यह वर्तमान में राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में सुरक्षित है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (आरंभिक नगर), पृष्ठ 27।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत की 'सबसे लंबी' स्थलीय सीमा किस पड़ोसी देश के साथ साझा होती है? (भूगोल)
उत्तर: बांग्लादेश (4096.7 किमी)
व्याख्या: भारत की सीमा बांग्लादेश के साथ पाँच राज्यों—पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम से मिलती है। यह सीमा सामरिक और व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बाद क्रमशः चीन और पाकिस्तान के साथ लंबी सीमाएँ साझा होती हैं।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार और स्थिति), पृष्ठ 5।

7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण' (Separation of Judiciary from Executive) सुनिश्चित किया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 50
व्याख्या: राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 50 यह निर्देश देता है कि राज्य लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग रखने का प्रयास करेगा। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 45।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें 'ऊष्मा' का अवशोषण होता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: ऊष्माशोषी अभिक्रिया (Endothermic Reaction)
व्याख्या: जिन अभिक्रियाओं में अभिकारकों को तोड़ने के लिए ऊर्जा (ऊष्मा, प्रकाश या विद्युत के रूप में) की आवश्यकता होती है, उन्हें ऊष्माशोषी अभिक्रिया कहते हैं। जैसे—सिल्वर क्लोराइड का सूर्य के प्रकाश में वियोजन। यह ऊष्माक्षेपी अभिक्रिया के ठीक विपरीत होती है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1 (रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं

9. विश्व प्रसिद्ध 'चैत्य' और 'विहार' स्थापत्य कला मुख्य रूप से किस धर्म से संबंधित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: बौद्ध धर्म
व्याख्या: प्राचीन काल में 'चैत्य' का उपयोग बौद्ध भिक्षुओं द्वारा पूजा स्थल के रूप में किया जाता था, जबकि 'विहार' उनके रहने का स्थान (मठ) होता था। अजंता और एलोरा की गुफाओं में इन दोनों संरचनाओं के उत्कृष्ट उदाहरण मिलते हैं।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 4।

10. बिहार के किस जिले में 'राजगीर अंतर्राष्ट्रीय खेल अकादमी' (Sports Academy) का निर्माण किया गया है, जो खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाएँ प्रदान करेगी? (बिहार GK)
उत्तर: नालंदा
व्याख्या: राजगीर में स्थित यह अकादमी बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। यहाँ क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी और एथलेटिक्स जैसे विभिन्न खेलों के लिए अत्याधुनिक स्टेडियम और ट्रेनिंग सेंटर विकसित किए गए हैं। यह राज्य की खेल प्रतिभाओं को तराशने का एक बड़ा केंद्र है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (मई W1): सड़क पर लगे 'लाल' यातायात संकेत (Traffic Light) का क्या अर्थ होता है? (सड़क सुरक्षा)
उत्तर: वाहन को पूर्णतः रोकना
व्याख्या: आपदा कैलेण्डर 2026 (मई W1) के अनुसार, सड़क सुरक्षा के लिए संकेतों का पालन अनिवार्य है। 'लाल बत्ती' का अर्थ है वाहन रोकें, 'पीली बत्ती' का अर्थ है प्रतीक्षा करें या चलने के लिए तैयार हों, और 'हरी बत्ती' का अर्थ है सावधानीपूर्वक आगे बढ़ें। इन नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम; सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी 2026।

12. 'पृथ्वी' का संबंध जो 'अक्ष' (Axis) से है, वही संबंध 'पहिया' (Wheel) का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: धुरी (Axle)
व्याख्या: यह 'सादृश्यता' (Analogy) का प्रश्न है। जिस प्रकार पृथ्वी अपनी काल्पनिक रेखा 'अक्ष' पर घूमती है, उसी प्रकार एक पहिया अपनी 'धुरी' के चारों ओर घूमता है। यह प्रश्न छात्रों के भौगोलिक और यांत्रिक संबंधों को समझने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास (सादृश्यता परीक्षण)।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Pragmatic (प्रैगमैटिक) = Practical (प्रैक्टिकल) = व्यावहारिक
Antonym – Idealistic (आइडियलिस्टिक) = आदर्शवादी
Quarantine (क्वारन्टीन) = Isolate (आइसोलेट) = अलग रखना
Antonym – Integrate (इंटीग्रेट) = मिलाना / सम्मिलित करना
Reconcile (रिकन्साइल) = Settle (सेटल) = सुलह करना
Antonym – Aggravate (एग्रेवेट) = बिगाड़ना
Skeptical (स्केप्टिकल) = Doubtful (डाउटफुल) = संदेहपूर्ण
Antonym – Convinced (कन्विन्स्ड) = आश्वस्त
Transient (ट्रांज़िएन्ट) = Temporary (टेम्पररी) = अस्थायी
Antonym – Permanent (परमानेंट) = स्थायी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-Quantum Mission 2.0' in Bengaluru; India to build its first 100-qubit fault-tolerant Quantum Computer.
प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु में 'भारत-क्वांटम मिशन 2.0' का उद्घाटन किया; भारत अपना पहला 100-कुबिट फॉल्ट-टोलरेंट क्वांटम कंप्यूटर विकसित करेगा।

ISRO successfully test-fires 'CE-30' cryogenic engine for heavy-lift LVM3-M5 missions; enhances satellite deployment capacity for 2027.
इसरो ने भारी लिफ्ट LVM3-M5 मिशनों के लिए 'CE-30' क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण किया; यह 2027 के उपग्रह प्रक्षेपणों की क्षमता बढ़ाएगा।

Ministry of Education and NCERT launch 'Digital Sarathi' AI-assistant for teachers to create SCERT-aligned multilingual lesson plans.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने शिक्षकों के लिए 'डिजिटल सारथी' एआई-असिस्टेंट लॉन्च किया, जो बहुभाषी पाठ योजनाएं तैयार करने में सहायता करेगा।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'Global Treaty on Space Sustainability'; mandates debris removal for all commercial satellite launches.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'अंतरिक्ष स्थिरता पर वैश्विक संधि' पारित की; सभी वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए अंतरिक्ष मलबा हटाना अनिवार्य किया गया।

BBC Report: G7 Finance Ministers agree on 'Green-Tax' framework for multinational corporations to fund climate-resilience in Global South.
बीबीसी रिपोर्ट: G7 वित्त मंत्रियों ने 'ग्लोबल साउथ' में जलवायु-लचीलापन के लिए बहुराष्ट्रीय निगमों पर 'ग्रीन-टैक्स' ढांचे पर सहमति व्यक्त की।

World Health Organization (WHO) announces 'Eradication Status' for Lymphatic Filariasis in three more South-East Asian nations.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने तीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में लसिका फाइलेरिया (Lymphatic Filariasis) के उन्मूलन की स्थिति की घोषणा की।

BIHAR NEWS

Bihar Government signs MoU with IIT Patna to upgrade 100 Government ITIs with advanced Robotics and AI labs.
बिहार सरकार ने 100 सरकारी आईटीआई को उन्नत रोबोटिक्स और एआई लैब से लैस करने के लिए आईआईटी पटना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

SCERT Bihar launches 'Pratibha Darpan 2.0' for digital mapping and mentoring of top 10,000 rural students in science and math.
एससीईआरटी बिहार ने विज्ञान और गणित में शीर्ष 10,000 ग्रामीण छात्रों की डिजिटल मैपिंग और मेंटरिंग के लिए 'प्रतिभा दर्पण 2.0' लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

Indian Men's Relay Team wins Silver at Asian Athletics Championships 2026; sets new National Record in 4x100m event.
भारतीय पुरुष रिले टीम ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में रजत पदक जीता; 4x100 मीटर स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

Ministry of Sports launches 'Target Junior Podium Scheme (TJPS)' to identify 2032 Olympic talents at the school level.
खेल मंत्रालय ने स्कूल स्तर पर 2032 ओलंपिक प्रतिभाओं की पहचान करने हेतु 'टारगेट जूनियर पोडियम स्कीम' की शुरुआत की।

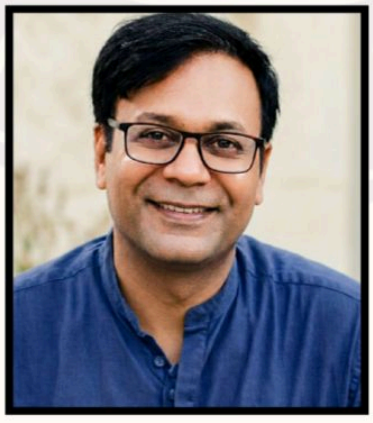

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी
"सेवा में ही साहस"
(अंतरराष्ट्रीय अग्निशामक दिवस विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विशेष अवसर पर चर्चा हो रही थी— अग्निशामकों के साहस और सेवा भावना पर।

सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने पूछा— "बच्चों, क्या केवल ताकत ही किसी को बहादुर बनाती है?"

कुछ बच्चों ने कहा—"हाँ"

लेकिन मैडम जी मुस्कुराईं— "नहीं, असली बहादुरी तब होती है जब हम डर के बावजूद दूसरों की मदद के लिए आगे बढ़ते हैं।"

फिर उन्होंने एक घटना सुनाई— "एक दिन एक घर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते धुआँ और लपटें फैल गईं। घर के लोग बाहर निकल आए, लेकिन एक छोटा बच्चा अंदर ही फँस गया। आसपास खड़े लोग घबरा गए— कोई भी अंदर जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था।

तभी अग्निशमन दल पहुँचा। एक अग्निशामक ने तुरंत स्थिति को समझा, अपने सुरक्षा उपकरण पहने और बिना समय गंवाए अंदर चला गया। आग और धुएँ के बीच वह बच्चे तक पहुँचा और उसे सुरक्षित बाहर लेकर आया।

बच्चा सुरक्षित था। सभी ने राहत की साँस ली।

किसी ने उस अग्निशामक से पूछा— "आपको डर नहीं लगा?"

वह मुस्कुराया और बोला— "डर तो था, लेकिन किसी की जान बचाना उससे ज्यादा जरूरी था।"

मैडम जी ने बच्चों से कहा— "बच्चों, यही सच्ची सेवा और साहस है। हमें भी अपने जीवन में दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया— "हम साहस और सेवा की भावना को अपनाएँगे।"

संदेश : "दूसरों की रक्षा के लिए उठाया गया कदम ही सच्चा साहस है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

प्रारंभिक चरण (Preparatory Stage) — खेल से विषयों की समझ तक का सफर

शिक्षक साथियों, 5+3+3+4 संरचना का दूसरा चरण यानी 'प्रारंभिक चरण' (कक्षा 3 से 5, आयु 8 से 11 वर्ष) एक बहुत ही महत्वपूर्ण 'ट्रांजिशन' या बदलाव का समय है। इस चरण का मुख्य उद्देश्य बच्चे को 'खेल-आधारित' शिक्षण से 'विषय-आधारित' शिक्षण की ओर ले जाना है। लेकिन ध्यान रहे, यहाँ 'विषय-आधारित' होने का मतलब यह कतई नहीं है कि हम फिर से पुरानी रटने वाली पद्धति पर लौट आएं। NEP 2020 के अनुसार, यहाँ भी शिक्षण का आधार गतिविधि, खोज और संवाद (Interactive Classroom) ही रहेगा।

इस चरण में भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों का परिचय बहुत ही हल्के और रोचक तरीके से किया जाता है। यहाँ शिक्षक का लक्ष्य केवल यह नहीं है कि बच्चा गुणा-भाग सीख जाए, बल्कि यह है कि वह 'संख्यात्मक तर्क' (Numerical Reasoning) और 'पठन कौशल' (Reading Proficiency) में इतना निपुण हो जाए कि वह खुद पढ़कर समझ सके। नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (NCF) के अनुसार, इस स्तर पर बच्चों में स्वतंत्र रूप से पढ़ने और लिखने की आदत विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

उदाहरण:

मान लीजिए आप कक्षा 4 के बच्चों को पर्यावरण अध्ययन (EVS) में 'पानी के स्रोत' पढ़ा रहे हैं। पुराना तरीका यह था कि आप ब्लैकबोर्ड पर कुआँ, तालाब और नदी लिखवा देते। लेकिन प्रारंभिक चरण के शिक्षक के रूप में, आप एक 'मिनी-प्रोजेक्ट' देंगे। आप बच्चों से कहेंगे— "आज घर जाकर अपनी माँ या दादी से पूछना कि जब वे छोटी थीं, तब वे पानी कहाँ से लाती थीं और आज पानी कहाँ से आता है?" अगले दिन कक्षा में इस पर चर्चा होगी। बच्चे अपनी कहानियाँ सुनाएंगे। यहाँ आपने बिना किसी भारी परिभाषा के उन्हें 'समय के साथ संसाधनों में बदलाव' और 'जल संरक्षण' की गहरी बात समझा दी। यहाँ विषय का परिचय 'अनुभव' के माध्यम से हुआ, न कि 'परिभाषा' के माध्यम से।

इस चरण में बच्चों की जिज्ञासा बहुत तीव्र होती है। वे "क्यों?" और "कैसे?" बहुत पूछते हैं। एक शिक्षक के रूप में हमारा संवर्धन तभी होगा जब हम उनके इन सवालों का स्वागत करें। इस स्तर पर मूल्यांकन भी केवल पेन-पेपर टेस्ट तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह देखना चाहिए कि बच्चा समूहों में काम कैसे कर रहा है, वह अपनी बात कैसे रख रहा है और वह प्रयोग करने में कितना उत्सुक है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि प्रारंभिक चरण में हमें बच्चे के भीतर 'सीखने की ललक' को और गहरा करना है। यहाँ किताबें उसकी 'दोस्त' होनी चाहिए, न कि 'दुश्मन'। शिक्षक की भूमिका अब एक 'खेल-साथी' से बढ़कर एक 'प्रेरक मार्गदर्शक' की हो जाती है जो बच्चे को दुनिया को समझने का एक नया चश्मा देता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में विषयों को कहानियों और वास्तविक जीवन की घटनाओं से जोड़कर पेश किया जा रहा है?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 45

"समुद्र की लहरों पर कैरियर – मैट्रिक के बाद मर्चेंट नेवी (GP Rating) में प्रवेश"

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

क्या आप दुनिया घूमने का शौक रखते हैं? क्या आप एक ऐसी नौकरी चाहते हैं जहाँ आपको मोटी सैलरी के साथ-साथ कई महीनों की छुट्टियां भी मिलें? यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है, तो मर्चेंट नेवी का GP Rating (General Purpose Rating) कोर्स आपके लिए एक रोमांचक और आर्थिक रूप से समृद्ध भविष्य का द्वार खोल सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

GP Rating एक 6 महीने का आवासीय (Residential) कोर्स है। इसमें आपको जहाज के डेक (Deck) और इंजन (Engine) दोनों विभागों के काम सिखाए जाते हैं।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण। गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषयों के साथ कम से कम 40% अंक होना अनिवार्य है।
- आयु: 17.5 वर्ष से 25 वर्ष के बीच।
- शारीरिक मानक: आंखों की रोशनी 6/6 होनी चाहिए और किसी भी प्रकार का कलर ब्लाइंडनेस नहीं होना चाहिए।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए केवल D.G. Shipping (भारत सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों से ही कोर्स करना चाहिए।

- प्रक्रिया: अधिकांश संस्थान अपनी लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा (Physical Test) आयोजित करते हैं।
- प्रमुख संस्थान: समुद्री प्रशिक्षण संस्थान (T.S. Rahaman, मुम्बई), NUSI मैरीटाइम एकेडमी (गोवा) और समुद्री इंजीनियरिंग के अन्य मान्यता प्राप्त केंद्र। बिहार के छात्र कोलकाता या मुम्बई स्थित केंद्रों को प्राथमिकता देते हैं।
- वेबसाइट: dgshipping.gov.in (यहाँ मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची देख सकते हैं)।

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

कोर्स पूरा करने के बाद आपको CDC (Continuous Discharge Certificate) मिलता है, जो जहाज पर काम करने का सरकारी पास है।

- नौकरी: आप जहाजों पर 'ट्रेनी सीमैन' के रूप में शुरुआत करते हैं।
- वेतन: शुरुआत में ₹25,000 से ₹40,000 प्रति माह (जहाज पर रहने और खाने का खर्च कंपनी उठाती है)। अनुभव और प्रमोशन के साथ यह वेतन ₹1 लाख से ₹3 लाख तक पहुँच सकता है।
- क्षेत्र: कार्गो शिप, ऑयल टैंकर और क्रूज शिप।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: चूंकि यह एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स है और भारत सरकार के महानिदेशालय (जहाजरानी) द्वारा प्रमाणित है, इसलिए छात्र बिहार सरकार की क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ₹4 लाख तक के ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- बैंक ऋण: कई प्रमुख बैंक मर्चेंट नेवी कोर्सेज के लिए विशेष शिक्षा ऋण (Education Loan) भी प्रदान करते हैं।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: मर्चेंट नेवी का जीवन जितना आकर्षक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इसमें आपको महीनों तक अपने परिवार से दूर समुद्र में रहना पड़ता है। यदि आप शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत हैं, तो यह क्षेत्र आपको बहुत कम समय में एक सफल व्यक्ति बना सकता है।

कल के पत्र (संख्या 36) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'एनीमेशन और मल्टीमीडिया (VFX)' जैसे रचनात्मक और हाई-टेक कैरियर पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,
आपका मार्गदर्शक

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

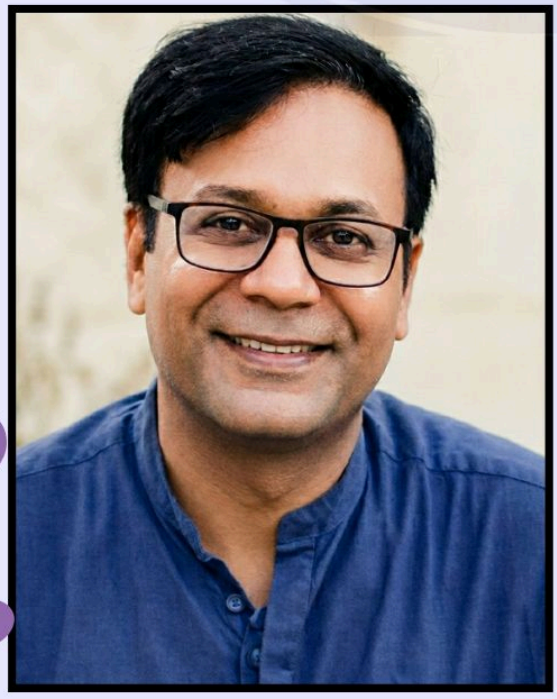

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org